Sabse Pehle Tumhe Manau Lyrics in Hindi and English

Sabse Pehle Tumhe Manau Lyrics in Hindi

सबसे पहले तुम्हे मनाऊँ,
गौरी सूत गणराज,
तुम हो देवों के सरताज,
दूंद दुँदाला सूँड़ सुन्डाला,
मस्तक मोटा कान, तुम हो देवों के सरताज……

गंगाजल स्नान कराऊँ,
केसर चंदन तिलक लगाऊं,
रंग बिरंगे फुल मे लाऊँ,
सजा सजा तुमको पह्राऊ,
लम्बोदर गजवदन विनायक,
राखो मेरी लाज, तुम हो देवों के सरताज…..

जो गणपति को प्रथम मनाता,
उसका सारा दुख मीट जाता,
रिद्धि सिध्दि सुख सम्पति पाता,
भव से बेड़ा पार हो जाता,
मेरी नैया पार करो,
मैं तेरा लगाऊं ध्यान, तुम हो देवों के सरताज……

पार्वती के पुत्र हो प्यारे,
सारे जग के तुम रखवाले,
भोलेनाथ है पिता तुम्हारे,
सूर्य चन्द्रमा मस्तक धारें,
मेरे सारे दुख मीट जाये,
देवों यही वरदान, तुम हो देवों के सरताज……

Sabse Pehle Tumhe Manau Lyrics in English

Sabse pehle tumhe manaun,
Gauri soot Gajraaj,
Tum ho devon ke sartaaj,
Dund dundala sund sundala,
Mastak mota kaan, tum ho devon ke sartaaj…

Gangaajal snan karaun,
Kesar chandan tilak lagaoon,
Rang birange phool mein laoon,
Saja saja tumko pehrao,
Lambodhar Gajavadan Vinayak,
Rakho meri laaj, tum ho devon ke sartaaj…

Jo Ganpati ko pratham manata,

Uska saara dukh meet jaata,
Riddhi Siddhi sukh sampatti paata,
Bhav se baida paar ho jaata,
Meri naiya paar karo,
Main tera lagaun dhyaan, tum ho devon ke sartaaj…

Parvati ke putra ho pyaare,
Saare jag ke tum rakhwaale,
Bholenath hai pita tumhare,
Surya Chandrama mastak dhaare,
Mere saare dukh meet jaaye,
Devon yeh vardaan, tum ho devon ke sartaaj…

About Sabse Pehle Tumhe Manau Bhajan in English

“Sabse Pehle Tumhe Manau” is a devotional bhajan dedicated to Lord Ganesha, often known as Ganraj or Vinayak. The bhajan is a heartfelt invocation where the devotee expresses reverence and love for Lord Ganesha, acknowledging him as the supreme leader of the gods and the remover of obstacles. The lyrics describe the various offerings and rituals performed to honor Lord Ganesha, emphasizing his divine qualities and immense significance.

Breakdown of the Bhajan:
Invocation to Lord Ganesha: The bhajan begins by praising Lord Ganesha as the first deity to be worshipped, calling him the “leader of the gods” and describing his unique features like his large head, trunk, and ears.

Sacred Offerings and Rituals: The lyrics describe performing holy rituals for Lord Ganesha, including giving him a bath with sacred Ganga water, applying sandalwood and saffron tilak, and adorning him with colorful flowers, symbolizing purity and devotion.

Blessings and Divine Gifts: The bhajan emphasizes the spiritual and material benefits that come from worshipping Lord Ganesha first. It mentions how his blessings bring prosperity, success, and the removal of difficulties. Worshipping him helps devotees attain happiness, wealth, and success, while also crossing over life’s obstacles.

Divine Parentage and Protection: Lord Ganesha is depicted as the beloved son of Goddess Parvati and Lord Shiva. The bhajan highlights his role as the protector of the universe and the one who safeguards his devotees. The blessings of Lord Ganesha are described as capable of removing all sorrow and granting divine protection.

Call for Blessings and Gratitude: The bhajan concludes with a plea to Lord Ganesha to remove the devotee’s troubles and bestow his blessings, affirming that he is the supreme deity who is always there to protect and guide his followers.

This bhajan beautifully expresses the deep devotion of the worshipper, with every line reflecting a desire to honor Lord Ganesha and seek his divine blessings. The words and melody together create a sense of peace, reverence, and connection to the divine, making it an essential prayer for anyone seeking Lord Ganesha’s grace and blessings.

About Sabse Pehle Tumhe Manau Bhajan in Hindi

“सबसे पहले तुम्हे मनाऊं” एक अत्यंत भक्ति से भरा हुआ भजन है जो भगवान गणेश को समर्पित है। यह भजन भगवान गणेश

को देवताओं के सरताज के रूप में प्रस्तुत करता है और उनके प्रति भक्तों की गहरी श्रद्धा और प्रेम को व्यक्त करता है। भजन में भगवान गणेश की महिमा, उनकी विशेषताओं और उनकी पूजा के विभिन्न रीति-रिवाजों का वर्णन किया गया है।

भजन का सारांश :
भगवान गणेश की महिमा : भजन की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से होती है, जिसमें उन्हें देवताओं के सरताज और सभी बाधाओं के निवारक के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है। उनका मोटा मस्तक, लंबी सूंढ़, और कान उनकी विशिष्ट पहचान माने जाते हैं।

पवित्र पूजा और अर्पित की जाने वाली सामग्री : भजन में भगवान गणेश को गंगाजल से स्नान कराकर, केसर और चंदन से तिलक करने, रंग-बिरंगे फूलों से उनकी सजावट करने जैसे पवित्र कार्यों का वर्णन किया गया है। ये सभी भक्ति के प्रतीक हैं, जो भक्तों की श्रद्धा और प्रेम को दर्शाते हैं।

आशीर्वाद और दिव्य वरदान : इस भजन में बताया गया है कि जो भी भक्त भगवान गणेश की पूजा करता है, उसके सारे दुख दूर हो जाते हैं और वह समृद्धि, सुख, और सफलता प्राप्त करता है। साथ ही, भजन में भगवान गणेश की कृपा से जीवन की कठिनाइयों से पार पाने का आश्वासन दिया गया है।

भगवान गणेश का पारिवारिक संबंध और रक्षात्मक रूप : भगवान गणेश को माता पार्वती और पिता शिव का प्यारा पुत्र बताया गया है। उनका कर्तव्य सभी संसार की रक्षा करना और भक्तों को अपनी आशीर्वाद से सुरक्षित रखना है।

प्रार्थना और आशीर्वाद की मांग : भजन के अंत में भक्त भगवान गणेश से उनके आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं, ताकि उनके सभी दुख समाप्त हो जाएं और उन्हें जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता मिल सके।

यह भजन भगवान गणेश के प्रति गहरी श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। भजन के शब्द और लय भक्तों को शांति, प्रेम और दिव्यता का अनुभव कराते हैं, और उन्हें भगवान गणेश के साथ एक दिव्य संबंध स्थापित करने में मदद करते हैं।